(व्यवस्था विवरण 23:17)

प्रिय भाई/बहन, जब हम “दुष्कर्मी” शब्द को बाइबल में पढ़ते हैं, तो हमें समझना जरूरी है कि इसका मतलब क्या था और आज भी इसका हमारे लिए क्या अर्थ है।

यह शब्द अकसर उन पुरुषों के लिए इस्तेमाल होता था जो अप्राकृतिक यौन व्यवहार, खासकर समलैंगिकता जैसे पापों में लिप्त होते थे। अंग्रेज़ी बाइबल में इन्हें “sodomite” कहा गया है — यानी ऐसे पुरुष जो मूर्तिपूजा से जुड़े मंदिरों में वेश्यावृत्ति जैसे पापमय काम करते थे।

1. बाइबिलीय सन्दर्भ और असली मतलब

व्यवस्था विवरण 23:17 कहता है:
“इस्राएल की पुत्रियों में कोई वेश्या न हो, और न इस्राएल के पुत्रों में कोई लौंडेबाज हो।”
(पवित्र बाइबल – Hindi O.V.)

यहां “लौंडेबाज” शब्द का मूल हिब्रू शब्द है “qādeš”, जिसका अर्थ होता है “मंदिर का पुरुष वेश्या।” ये लोग मूर्तिपूजकों के

धर्म में यौन कृत्यों के द्वारा भाग लेते थे। यह सिर्फ नैतिक पाप नहीं था, बल्कि सीधा परमेश्वर की पवित्रता का अपमान था।

लैव्यवस्था 18:22
“तू पुरुष के साथ वैसे शयन न करना जैसा नारी के साथ किया
जाता है; यह घिनौना काम है।”

लैव्यवस्था 20:13
“यदि कोई पुरुष किसी पुरुष के साथ वैसे ही शयन करे जैसे नारी के साथ किया जाता है, तो उन दोनों ने घिनौना काम किया है; वे निश्चय मार डाले जाएं…”

रोमियों 1:26–27
“इस कारण परमेश्वर ने उन्हें नीच कामनाओं के वश में छोड़ दिया; क्योंकि उनकी स्त्रियाँ स्वाभाविक व्यवहार को छोड़कर अस्वाभाविक व्यवहार करने लगीं। वैसे ही पुरुष भी… एक-दूसरे पर ललचाकर अशुद्ध काम करने लगे और अपने उस भ्रम का योग्य दण्ड अपने ही में पाया।”

2. इतिहास और परमेश्वर का दृष्टिकोण

पुराने नियम के समय में, ये कार्य केवल व्यक्तिगत नहीं थे—ये मूर्तिपूजा के रिवाजों का हिस्सा थे। यहोवा ने इस्राएल को स्पष्ट रूप से चेताया था कि वे आस-पास की जातियों के इन दुष्ट तरीकों को न अपनाएं।

1 राजा 14:24
“और उस देश में लौंडेबाज भी थे; उन्होंने उन सब घिनौने कामों के अनुसार किया जो यहोवा ने इस्राएल के लोगों से पहले के लोगों के कारण उनसे देश को निकाल कर किए थे।”

1 राजा 15:12
“उसने देश से लौंडेबाजों को निकाल दिया, और अपने पिताओं के बनाए हुए सब मूरतों को दूर किया।”

2 राजा 23:7
“उसने यहोवा के भवन में जो लौंडेबाजों के लिए घर बने थे,

उन्हें गिरा दिया…”

यह सोचकर डर लगता है कि इन घिनौने कामों ने यहां तक कि यहोवा के मंदिर को भी अपवित्र कर दिया था।

3. आज के समय की सच्चाई

आज हम फिर वैसा ही देख रहे हैं। समाज अब उन व्यवहारों को स्वीकार कर रहा है जिन्हें बाइबल साफ-साफ पाप कहती है। कुछ चर्चों और धार्मिक संस्थाओं ने भी अब समलैंगिकता को स्वीकार कर लिया है।

इंद्रधनुष जो कभी परमेश्वर की वाचा (उत्पत्ति 9:13) का चिन्ह था कि वह फिर से जलप्रलय नहीं लाएगा, अब LGBTQ+ का प्रतीक बन गया है।

लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि अब कोई न्याय नहीं आएगा।

2 पतरस 3:6–7
“इसी के द्वारा उस समय की दुनिया जलप्रलय से नाश हो गई।
परन्तु अब के आकाश और पृथ्वी उसी वचन के अनुसार आग के लिए

रखे गए हैं, और वे उस दिन तक सुरक्षित हैं जब दुष्ट मनुष्यों का न्याय और विनाश होगा।”

परमेश्वर एक बार फिर पाप से निपटने आ रहा है — इस बार आग से।

4. जागने और तैयार होने का समय

प्रभु ने कहा था कि “जैसा लूत के दिनों में हुआ था…” वैसा ही उसके आने के पहले होगा (लूका 17:28–30)। और आज हम वैसा ही देख रहे हैं।

मसीहियों के रूप में, हमें न किसी से घृणा करनी है, न न्याय करना है—बल्कि प्रेम में सच्चाई बोलनी है (इफिसियों 4:15), और पवित्र जीवन जीना है।

1 थिस्सलुनीकियों 4:16–17
“क्योंकि प्रभु आप ही… स्वर्ग से उतरेगा, और जो मसीह में
मरे हैं वे पहले जी उठेंगे। फिर हम जो जीवित और बचे रहेंगे,
हम उनके साथ बादलों पर उठा लिए जाएंगे…”

2 कुरिन्थियों 13:5
“अपने आप को परखो कि तुम विश्वास में हो या नहीं; अपने आप को जांचो…”

अब समय है अपने जीवन को जांचने का:

क्या हम वास्तव में तैयार हैं प्रभु की वापसी के लिए?
क्या हम परमेश्वर के वचन पर अडिग हैं, या संसार की लहरों में बह गए हैं?

यह समझौते का समय नहीं, बल्कि विश्वास, पवित्रता और निर्भीकता का समय है — मसीह में।

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP….

Share on:
WhatsApp